ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-24 अंक-03 मई-I-2022 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

विशाल संत सम्मेलन एवं संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के 98वें जन्मदिवस पर भव्य एवं अलौकिक आयोजन

'गीता ज्ञानामृत द्वारा स्वर्णिम भारत का निर्माण' सभी एकमत

संत सम्मेलन कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी, ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, डॉ. लोकेश मुनी, स्वामी सोमेश्वरानंद, स्वामी कृष्णदेवानंद गिरि, राजयोगी ब्र.कु. वसंतराज भाई।

शांतिवन-आबू रोड। 'गीता ज्ञानामृत द्वारा स्वर्णिम भारत का निर्माण' विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय 'संत समागम' में देशभर से नामचीन संत एवं महात्मा शामिल हुए। उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए श्रीराम शक्तिपीठ संस्थान के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी सोमेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि मौजूदा दौर में अध्यात्म ही है जो मनुष्य को सही राह दिखा सकता है। उन्होंने कहा कि देवी-देवताओं जैसा ही मानव का स्वभाव होना चाहिए। इससे मानव समाज देव तुल्य हो जायेगा। ब्रह्माकुमारी संस्थान का प्रयास ज़रूर एक दिन रंग लायेगा। नारी शक्ति का यहाँ अनुपम उदाहरण देखने को मिला है। ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि समस्त मानव समाज को अपने और परमात्मा के परिचय से जीवन में आदर्श मूल्यों को अपनाते हुए स्वयं को श्रेष्ठ बनाना चाहिए। दिल्ली से आए द्वारका जूना अखाड़ा के मुम्बई से आए जगद्गुरू सूर्याचार्य स्वामी कृष्णदेवानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ की मुरली जीवन विश्व अहिंसा परिषद् के अध्यक्ष आचार्य डॉ. लोकेश मुनी जी ने कहा कि आज के समय में हर किसी को ध्यान, मेडिटेशन और आयुर्वेद की बहुत ज़रूरत है। ये संस्था मानवता का संदेश दे रही है। महाराज ने मधुबन की महिमा करते हुए कहा कि यहाँ से ही वैकुंठ का रास्ता तय होगा। यहाँ के राजयोगी व राजयोगिनी हीरे हैं, इनके माध्यम से ही पूरे विश्व में परमात्मा का पैगाम पहुंच रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है। इसको बनाये रखने के लिए जीवन में ध्यान और राजयोग को अपनाना चाहिए।

जयपुर की उपक्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. सुषमा दीदी ने राजयोग के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए सभी को गहन शांति की अनुभूति के साथ ईश्वरानुभूति करायी। पंचायती उदासीन अखाड़ा पटौदी, श्रीमत जगद्गुरु विश्वकर्मा महासंस्थान सावित्री पीठ काशीमठ कर्नाटक के अष्टोत्तर शता श्री शंकराचार्य सामेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज समेत देश के कई नामचीन संतों ने अपने विचार व्यक्त किये।

सभा में महानुभावों के भावपूर्ण शब्द...

नारी शक्ति का यहाँ अनुपम उदाहरण
: स्वामी सोमेश्वरानंद

मानवता का संदेश दे रही ब्रह्माकुमारी संस्था
: डॉ. लोकेश मुनी

जीवन जीने की कला सिखाती है ब्रह्माकुमारीज़ की मुरली : स्वामी कृष्णदेवानंद गिरि

संतों का हुआ सम्मान : संत जनों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्हें माला और साफा पहनाकर ईश्वरीय सौगात दी गई।

सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने बांधा समा : कार्यक्रम में अलग-अलग स्थानों से आये कलाकारों ने सुंदर प्रस्तुति द्वारा समा बांध दिया।

50 संत महात्माओं और हज़ारों अनुयायियों ने मनाया 98 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का जन्मदिन

एक सदी के करीब पहुंच चुकीं अध्यात्म प्रज्ञा, लोगों के आध्यात्मिक उत्थान में अपना पूरा जीवन न्योछावर करने वालीं ब्रह्माकुमारी संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का 98वां जन्म दिन संस्थान में देश-विदेश से आए बीस हज़ार लोगों और देश के नामचीन संतों के बीच मनाया गया। कार्यक्रम में दादी रतनमोहिनी ने सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि हमारा जीवन लोगों की और परमात्मा की सेवा में अंत तक रहे। दुनिया के प्रत्येक मनुष्य परमात्मा के बच्चे हैं। सबका अधिकार है कि वे परमात्मा से शक्ति लेकर सुखी रहें।

इस मौके पर अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक डॉ. लोकेश मुनि ने कहा कि दादी रतनमोहिनी एक ऐसी जीती जागती मिसाल हैं, जिनकी शक्ति दुनिया बदलने में सक्षम है। दादी ने अपना पूरा जीवन ही मानवता की सेवा में लगा दिया। आज पूरे संत समाज की ओर से हम दादी के दीर्घायु होने की कामना करते हैं। इस मौके पर संस्थान के महासचिव ब्र.कु. निवैर तथा अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने भी दादी को जन्मदिन की बधाई दी। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेत्री सिमरन आहूजा तथा भाग्यश्री ने कहा कि दादी साक्षात् माँ हैं। इनके सानिध्य में आने से ही ऊर्जा का संचार होने लगता है। संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु.मुन्नी दीदी, मीडिया प्रभाग अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा, घाटकोपर सबज़ोन प्रभारी ब्र.कु. नलिनी दीदी, जयपुर सबज़ोन प्रभारी ब्र.कु. सुषमा बहन व संस्थान के कार्यकारी सचिव ब्र.कु.मृत्युंजय ने भी विचार व्यक्त किये।

98 बहनों ने किया स्वागत नृत्य, निकाली शोभायात्रा

दादी के स्वागत में उनके आवास से शांतिवन के डायमंड हॉल तक बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में बहनें अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। दादी को बग्घी में बिठाया गया। दादी रतनमोहिनी की उम्र 98 वर्ष की हुई, इसके सम्मान में 98 बहनों ने स्वागत नृत्य किया गया। दादी के जीवन पर गुजरात के कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की गई।

आध्यात्मिक शक्तियों से ही होगा विश्व का उद्धार: जगद्गुरु

जूना अखाड़ा बोरीवली मुम्बई के जगद्गुरु सूर्याचार्य कृष्णदेवानन्द गिरि जी महाराज, पीठाधीश्वर वाल्मिकी धाम उज्जैन बाल योगी उमेश नाथ महाराज ने कहा कि ऐसी महान विभूतियां इस सृष्टि मंच पर रहेंगी, तो निश्चित तौर पर आसुरी प्रवृत्तियों का सफाया होगा। अयोध्या के पीठाधीश्वर जन्मजेय शरण जी महाराज ने दादी को जन्मदिन की बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि दादी का आशीष हम पर सदा यूं ही बना रहे।

शांतिवन के डायमण्ड सभागार में दादी रतनमोहिनी का 98वाँ जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जहाँ सभी संतजनों ने दादी को सम्मानित कर उनके दीर्घायु की कामना की। देश-विदेश से आये हज़ारों भाई-बहनों ने कार्यक्रम में शरीक होकर दादी को हृदय से जन्मदिन की बधाई दी।